www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित
# देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर
वर्ष – 04 | अंक – 243 | जौनपुर गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### भाजपा विकास के लिए प्रतिबद्ध : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा की राजनीति वोट बैंक पर नहीं, बल्कि हर नागरिक के सम्मान और समग्र विकास पर आधारित है। सरकार तुष्टीकरण नहीं, सशक्तिकरण की नीति पर काम कर रही है और श्विकास बैंकश्‍ बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।श्री सैनी ने मंगलवार को संत कबीर कुटीर में राय सिख समुदाय के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए पंजाब के लोगों से बदलाव लाने और राज्य को समृद्ध बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर सख्त कार्रवाई होगी। श्री सैनी ने राय सिख समुदाय को साहस, बलिदान और साझा विरासत का प्रतीक बताते हुए कहा कि इस समुदाय ने कृषि, शिक्षा, सेवा और व्यापार के क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से बदल रहा है, जहां पहचान अतीत से नहीं बल्कि वर्तमान क्षमता और परिश्रम से तय होती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार ने राय सिख समुदाय को श्वंचित अनुसूचित जातिश्‍ श्रेणी में शामिल कर उन्हें मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया है। साथ ही सरकार उनकी सांस्कृतिक विरासत और सिख धर्म के आदर्शों के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर ओएसडी भरत भूषण भारती, राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी और राय सिख समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

### प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना भारतीयों का अपमान – किशन रेड्डी

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना के केंद्रीय मंत्रियों जी. किशन रेड्डी और बंदी संजय कुमार ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की निंदा की है, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहा थाय मंत्रियों ने इसे 1.47 अरब भारतीयों का अपमान बताया है। उन्होंने कांग्रेस प्रमुख से बिना शर्त माफी की मांग की। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना न केवल गैर– जिम्मेदाराना है, बल्कि यह जान– बूझकर किया गया काम हैय यह उन 1.47 अरब भारतीयों का अपमान है जिन्होंने उन पर अपना भरोसा जताया है। किशन रेड्डी ने पूछा, इस तरह की भाषा लोकतांत्रिक पसंद को नीचा दिखाती है और राजनीतिक चर्चा के स्तर को गिराती है। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस और उसके नेता देश के चुने हुए और प्रिय प्रधानमंत्री को नीचा दिखा रहे हैं और उनका अपमान कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री मोदी की यह घटिया, नफरत भरी आलोचना कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और उसके नेता राहुल गांधी के इशारे पर की जा रही है? केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को आतंकवादी कहना राजनीति नहीं हैय यह एक हारी हुई मानसिकता की हताशा है।

## पृथ्वी की रक्षा सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, आने वाली पीढ़ियों के प्रति पवित्र संकल्प : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर अहम संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी की रक्षा करना मात्र एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र संकल्प है, जिसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाना चाहिए। इसे लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "पृथ्वी हमारी माता है और इसके संरक्षण में मानवता का कल्याण निहित है। इसकी रक्षा करना हम सबका केवल दायित्व नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा पवित्र संकल्प भी है। यस्यां वृक्षा वानस्पत्या ध्रुवास्तिष्ठन्ति विश्वहा। पृथिवीं धेनुं प्रदुहां न उदिच्छन्तु नमोऽस्तु पृथिव्यै केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी विश्व पृथ्वी दिवस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस दिवस की याद दिलाती है कि हमारे आज के कार्य ही हमारे ग्रह के भविष्य को निर्धारित करते हैं। उन्होंने जोर दिया कि पर्यावरण संरक्षण को हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'स्वच्छ भारत अभियान' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे कार्यक्रमों की सराहना की, जो लोगों को स्वच्छ और हरित भविष्य निर्माण में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर प्रदेशवासियों को विश्व पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, "सनातन संस्कृति में धरती को मां के रूप में पूजा जाता है, जो समस्त चराचर जगत का निरूस्वार्थ भाव से पोषण करती है। विश्व पृथ्वी दिवस के इस पावन अवसर पर आइए, हम सभी प्राणदायिनी धरा को प्रदूषण मुक्त और वृक्षों से हरी–भरी बनाने का संकल्प लें।" वहीं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस मौके पर शुभकामनाएं देते हुए ।

## नीतीश कुमार ने नई टीम का किया ऐलान, संजय झा कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे

पटना, (एजेंसी)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बुधवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी। जदयू ने अपने नए पदाधिकारियों की सूची में अनुभवी नेताओं को तरजीह दी है। हालांकि, इस सूची में हाल ही में राजनीति में आए निशांत कुमार को जगह नहीं मिली है। जदयू के नेता आफाक अहमद खान द्वारा जारी इस सूची में कुल 24 पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। नीतीश कुमार के करीबी माने जाने वाले बिहार के पूर्व मंत्री अशोक चौधरी को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नीतीश कुमार की टीम में संजय कुमार झा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे, जबकि पूर्व सांसद चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा सांसद आलोक कुमार सुमन को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। नीतीश कुमार ने अपनी टीम में 12 महासचिव बनाए हैं, जिसमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, विधायक रमेश सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिश्चंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार, हर्षवर्धन सिंह और मौलाना गुलाम रसूल बलियावी शामिल हैं। नीतीश कुमार की टीम में प्रवक्ता की जिम्मेदारी राजीव रंजन प्रसाद संभालेंगे। इन्हें सचिव भी बनाया गया है। इसके अलावा रविंद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रुही तामुंग और निवेदिता कुमारी को सचिव बनाया गया है। दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिए ।

## असम और पश्चिम बंगाल में लगेगी डबल सेंचुरी : सीएम सरमा

कालना, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा लगातार प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी प्रचार को धार दे रहे हैं। उनकी चुनावी जनसभाओं में भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इस बीच सीएम सरमा ने बुधवार को दावा किया कि बंगाल भाजपा जीत रही है और अगली सरकार पीएम मोदी के नेतृत्व में बननी तय है। पश्चिम बंगाल के कालना में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जो माहौल मैंने बंगाल और असम में लोगों के बीच देखा है, मुझे लगता है कि हम असम में 100 सीटें और बंगाल में 200 सीटें जीतेंगे। सीएम सरमा ने बंगाल के वोटरों से अपील करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि इस बार कोई भी गुंडा कुछ भी करने की हिम्मत नहीं करेगा। इस बार कोई भी कुछ नहीं कर पाएगा। लोग आसानी से वोट डाल सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी वोटर को डरने की कोई जरूरत नहीं है। आजादी से और खुले दिल से वोट दें। जिसे चाहें, उसे वोट दें। डरें नहीं, कुछ नहीं होगा। मैं आप सबके साथ हूं। कालना में हुई चुनावी सभा में लोगों के जनसमर्थन पर सीएम सरमा ने कहा कि कालना में इतने अच्छे स्वागत के लिए जनता का धन्यवाद। टीएमसी के बुरे शासन और बंगाल की बदहाली के दिन जल्द ही खत्म होने वाले हैं, यह मेरा वादा है। सीएम सरमा ने कहा कि खड़गे का बयान कांग्रेस के नैतिक मूल्यों और सार्वजनिक संवाद के प्रति सम्मान के पूरी तरह से पतन को दर्शाता है।

## जनता और सरकार के बीच मजबूत कड़ी है सिविल सेवा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सिविल सेवा दिवस के मौके पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सभी सिविल सेवकों को दिल से शुभकामनाएं दी हैं और उनके काम की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवक ही वो मजबूत कड़ी हैं जो सरकार और जनता के बीच भरोसा बनाते हैं और देश के विकास को आगे बढ़ाते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, षसिविल सेवा दिवस के अवसर पर सभी सिविल सेवकों को हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी प्रतिबद्धता उत्तरदायी शासन को सुदृढ़ करने और सार्वजनिक संस्थाओं को मजबूत बनाने का कार्य निरंतर कर रही है। अभिनव, भविष्योन्मुखी और नागरिक–केंद्रित नीतियों के निर्माण से लेकर जमीनी स्तर पर उनके प्रभावी कार्यान्वयन तक, आपका कार्य लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव डालता है। उन्होंने आगे कहा, ष्जैसे–जैसे भारत नई आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है, आपकी सत्यनिष्ठा और संवेदनशीलता, कमियों को दूर करने, समावेशिता को बढ़ावा देने और राज्य तथा उसके नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आप सार्वजनिक सेवा के सर्वोच्च मानकों को निरंतर बनाए रखें और एक अधिक समतामूलक तथा प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में सार्थक योगदान देते रहें।ष वहीं, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, षसिविल सेवा दिवस के अवसर पर मैं सभी सिविल सेवकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और राष्ट्र के प्रति आपके समर्पण तथा अनुकरणीय सेवा के लिए अपनी सच्ची सराहना व्यक्त करता हूं। भारत की प्रशासनिक संरचना के एक स्थायी स्तंभ के रूप में शासन को सुदृढ़ करने और सार्वजनिक सेवाओं को जन–जन तक पहुंचाने में आपके प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

## खड़गे के बयान पर भाजपा का तीखा जवाब, 'ओसामा और जाकिर नाइक के हमदर्दों की साजिश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री और भाजपा के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कह दिया। हालांकि, उन्होंने अपने बयान पर सफाई भी दी। वहीं, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस की मानसिकता पर सवाल उठाए और खड़गे के बयान को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया। पुरी से सांसद और भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस की मानसिकता पर सवाल उठाया है और आरोप लगाया है कि यह जानबूझकर किया गया षड्यंत्र है। संबित पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री को आतंकी कहना कोई भूल नहीं है। अगर वह सफाई दे रहे हैं तो आप याद रखिए, ये कांग्रेस का जानबूझकर किया गया षड्यंत्र है। कुछ दिनों से हम सभी देख रहे हैं कि कांग्रेस के तमाम नेताओं समेत राहुल गांधी पीएम मोदी को लेकर किस तरह की अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने भाषणों में पीएम मोदी के लिए तू–तड़ाक की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। आज तो हद हो गई, जब राहुल गांधी के कहने पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कह दिया। ये वही पार्टी है, जो ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहती है और बड़े–बड़े आतंकियों के साथ खड़ी रहती है। कांग्रेस जाकिर नाइक को शांति का दूत कहती है और पीएम मोदी को आतंकी। संबित पात्रा ने कहा कि पीएम मोदी आतंकी क्यों हैं? क्योंकि वे लोगों को पानी, घर, मुद्रा योजना, मुफ्त राशन दे रहे हैं और लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दे रहे हैं। इसलिए वे आतंकी हो गए, ये कांग्रेस का चरित्र है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को यह याद रखना चाहिए कि जब–जब पार्टी ने पीएम मोदी के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया है, तब–तब जनता ने कांग्रेस को दंडित किया है। इस बार भी भारत की जनता जवाब देगी। वहीं, सांसद विनोद तावड़े ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का प्रधानमंत्री को आतंकी कहना घोर निंदनीय एवं भर्त्सना के योग्य है।

## दोषियों को माफ नहीं करेगा भारत, शहीदों के परिवार का दुख देश का दुख – राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। अपने पोस्ट में राहुल ने कहा कि देश इस कायराना हमले को कभी नहीं भूलेगा और दोषियों को कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहीदों के परिवारों का दुख पूरे देश का दुख है। राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि पिछले साल पहलगाम में हुए हमले में जिन बहादुर लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनकी याद आज भी दिल को झकझोर देती है। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों की शहादत हमेशा देश की आत्मा में दर्ज रहेगी और भारत आतंक और नफरत फैलाने वाली ताकतों के सामने कभी नहीं झुकेगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी इस हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 2025 में हुए इस हमले में 26 लोगों की जान गई थी, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि देश हमेशा उनके साथ खड़ा है। इस दौरान खरगे ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसमें आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन में लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े कई ठिकानों को नष्ट किया गया।

## शहर के अलग-अलग जगहों पर पुलिस द्वारा मारे गये छापे में भारी मात्रा में मिली नकली रिफाइंड

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शहर में नामी ब्रांड फॉर्च्यून रिफाइंड ऑयल के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है।पुलिस ने दो जगहों कार्यवाही करते हुए परिक्रमा मार्ग तथा केवटहिया वजीरगंज मे छापा मारकर भारी संख्या में कई पेटी डुप्लीकेट रिफाइंड ऑयल बरामद किया है। जैसे ही यह खबर आग की तरह देर शाम शहर में फैली लोगों के पैरों से जमीन खिसक गई।शहर वासियों का कहना था कि यह तो उनके स्वास्थ्य से एक प्रकार का खिलवाड़ हो रहा है।बताते चले कि इस मामले का खुलासा तब हुआ जब अदानी विल्मर लिमिटेड (फॉर्च्यून कंपनी) के सेल्स मैनेजर गिरजा शंकर यादव ने बाजार में नकली प्रोडक्ट बिकने की शिकायत कोतवाली नगर पुलिस से की थी।शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली नगर में तैनात निरीक्षक मोहम्मद सोहेल खान, उ0नि0 धर्मेंद कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक आदर्श विक्रम सिंह, उप निरीक्षक संतोष कुमार सिंह,उप निरीक्षक शेषनाथ सिंह, महिला उपनिरीक्षक किरण पाल, महिला उप निरीक्षक सुरुचि हेड कांस्टेबल रविंद यादव,कांस्टेबल संजय कुमार यादव, हेड कांस्टेबल कृपा शंकर यादव, हेड कांस्टेबल जितेंद्र यादव,हेड कांस्टेबल मुनेश्वर दयाल, कांस्टेबल राजा मुशर्रफ, कांस्टेबल संजय कुमार यादव, महिला कांस्टेबल दिव्या तिवारी व महिला कांस्टेबल सूमी दास के साथ मेसर्स सुमित्रा किराना मार्ट जिसके मालिक मनोज कुमार गुप्ता पुत्र मिश्रीलाल गुप्ता निवासी बेनीगंज परिक्रमा मार्ग थाना कोतवाली नगर मे जाकर माल चौक किया गया, तो उक्त दुकान पर अडानी कम्पनी का फोर्च्यून रिफाइंड सोया आयल कि (4) कार्टून मे कुल 78 पीस (01kg) का नकली पाया गया।इस मौके पर मौजूद (4) कार्टून मे 78 पीस, जिसे दो बोरियो के अन्दर प्रत्येक मे 37–37 पैकेट सील मोहर किए गए।एक कार्टून में 04 पैकेट वास्ते नमूना सील सर्व मोहर कर नमूना मोहर तैयार किया गया।मौके पर मौजूद दुकानदार मनोज कुमार गुप्ता से उक्त फर्चुन रिफाइंड सोया ऑयल के संबंध में पूछा गया तो बताया गया कि मार्केट से सस्ते में लाकर अपनी दुकान से बेचता हूं।दूसरी जगह सूचना मिलने पर बिना देरी किए पुलिस बल के साथ मेसर्स रामचंद्र इंटरप्राइजेज (आरसी) जिसके मालिक श्री बृजेश कुमार अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय रविन्द्र कुमार अग्रवाल निवासी 7/1/425A वजीर गंज केवटहिया निकट शीतला माता मंदिर थाना कोतवाली नगर जनपद अयोध्या के गोदाम पर पंहुचा तो मौके पर मोनिका अग्रवाल पत्नी बृजेश कुमार अग्रवाल निवासी 7ध्1ध्425। वजीर गंज केवटहिया निकट शीतला माता मंदिर थाना कोतवाली नगर जनपद अयोध्या मौजूद मिली जिन्हे मकसद से अवगत कराते हुए समय करीब रात 9रू15 बजे तलाशी के दौरान पोर्च में 149 कार्टून प्रत्येक में 20–20 पैकेट कुल 2980 पैकेट नकली फर्चुन रिफाइंड सोया ऑयल मिला।जिसेमे कुल 49 बोरियों में प्रत्येक बोरी में 60–60 पैकेट नकली फर्चुन रिफाइंड सोया ऑयल को सील मोहर किया गया और एक कार्टून में 40 पैकेट वास्ते नमूना सील सर्व मोहर कर नमूना मोहर तैयार किया गया।मौके पर मौजूद मोनिका अग्रवाल से उक्त नकली फर्नून रिफाइंड सोया तेल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुझे कोई जानकारी नहीं है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे ने बताया की इस मामले में पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही करने में जुटी है।

# संपादकीय

## आम सहमति की परवाह नहीं

अब नियम तय करने के मामले में भी मजबूत देश आम सहमति की परवाह नहीं कर रहे हैं। जो सहमत नहीं हैं, उनको छोड़कर आगे बढ़ने का नजरिया उन्होंने अपनाया है। डब्लूटीओ के ढांचे और उसकी भावना पर यह घातक प्रहार है। विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में सीमा पार डिजिटल ट्रांसमिशन पर टैक्स लगाने पर रोक को जारी रखने के लिए अमेरिका ने अपना पूरा दम लगाया। लेकिन कुछ देशों के विरोध के कारण वह सफल नहीं हुआ। तो अब उसने एलान किया है कि वह उससे सहमत देशों के साथ अलग से समझौता करेगा। ऐसे करार में शामिल होने के लिए उसने अपने व्यापार सहयोगी देशों से आगे आने को कहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा– श्सामान्य समझ से प्रेरित इस समझौते पर डब्लूटीओ सहमत नहीं हो सकता, तो अमेरिका उसके बाहर उन देशों के साथ ऐसा करार करेगा, जिनकी इसमें दिलचस्पी है। अमेरिका के मन–माफिक समझौते को मोटे तौर पर ब्राजील और तुर्किये ने रोका। उधर भारत ने चीन की श्विकास के लिए निवेश सुविधा करारस्य (आईएफडी) संपन्न करने की कोशिश नाकाम कर दी। पिछले हफ्ते हुई 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में 166 में से 129 देशों ने चीन के प्रस्ताव का समर्थन किया। अब संकेत हैं कि चीन उन देशों के साथ लेकर इस समझौते पर आगे बढ़ेगा। ये दोनों घटनाएं डब्लूटीओ की लगातार बढ़ रही अप्रासंगिकता को जाहिर करती हैं। डब्लूटीओ की स्थापना के पीछे सोच अधिकतम सहमति से विश्व व्यापार के नियमों को तय करना और तय नियमों पर सख्ती से अमल की गारंटी करना थी। समझौतों पर अमल सुनिश्चित कराने के लिए डब्लूटीओ के अंदर अपनी न्यायिक प्रणाली बनाई गई। मगर डॉनल्ड ट्रंप ने बतौर राष्ट्रपति अपने पहले कार्यकाल में डब्लूटीओ में न्यायाधीशों की नियुक्ति रोक कर अदालती प्रक्रिया को ठप करने की शुरुआत कर दी। उनके बाद आया जो बाइडेन प्रशासन भी उसी रास्ते पर आगे बढ़ा। जजों के अभाव में डब्लूटीओ का यह अंग फिलहाल लकवाग्रस्त पड़ा हुआ है। इसी कारण विभिन्न देश द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का सहारा लेने पर मजबूर हुए हैं। इस बीच अब नियम तय करने के मामले में भी मजबूत देश आम सहमति बनाने की परवाह नहीं कर रहे हैं। जो सहमत नहीं हैं, उनको छोड़कर आगे बढ़ने का नजरिया उन्होंने अपनाया है। डब्लूटीओ के ढांचे और उसकी भावना पर यह घातक प्रहार है।

## बस्तर के लिए खुले वैश्विक द्वारय 4 घटे में पूरा होगा समंदर तक का सफर

प्रदीप कुमार लाल

बस्तर की प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए रायपुर–विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच–130 सीडी) एक क्रांतिकारी कदम साबित होने जा रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा यह 6–लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर न केवल दूरियों को कम करेगा, बल्कि बस्तर के स्थानीय उत्पादों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुँच प्रदान कर लैंड–लॉक्ड क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करेगा। दुर्गम घाटों से मुक्ति और समय की बड़ी बचत वर्तमान में जगदलपुर से विशाखापट्टनम की यात्रा ओडिशा के कोरापुट और जयपुर के कठिन घाटों से होकर गुजरती है, जिसमें 7 से 9 घंटे का समय लगता है। भारी वाहनों के लिए यह मार्ग न केवल थकाऊ है, बल्कि डीजल की खपत और मेंटेनेंस के लिहाज से भी खर्चीला है। नया कॉरिडोर इस यात्रा को मात्र 3.5 से 4 घंटे में समेट देगा। सीधा और घाट–मुक्त रास्ता होने के कारण वाहनों का परिचालन खर्च काफी कम हो जाएगा, जिससे परिवहन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। नबरंगपुर इंटरचेंजरू बस्तर का प्रवेश द्वार रायपुर–विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच–130 सीडी) छत्तीसगढ़ के रायपुर, धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिलों से गुजर रहा है। जगदलपुर मुख्यालय को इस कॉरिडोर से जोड़ने के लिए ओडिशा के नबरंगपुर का दासपुर इंटरचेंज महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। जगदलपुर का ट्रैफिक मात्र 50–60 किमी का सफर तय कर नबरंगपुर इंटरचेंज के माध्यम से रायपुर–विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर में शामिल हो सकेगा, जिससे बस्तर सीधे विशाखापट्टनम पोर्ट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क से जुड़ जाएगा। बस्तरिया ब्रांड का अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रवेश इस कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव बस्तर की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अब बस्तर की अरेबिका कॉफी, जैविक इमली, महुआ उत्पाद और प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को विशाखापट्टनम पोर्ट तक पहुँचाना सुगम होगा। कम लॉजिस्टिक लागत के कारण ये उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय किसानों, संग्रहकर्ताओं और शिल्पकारों को उनकी उपज का बेहतर अंतरराष्ट्रीय मूल्य मिल सकेगा।

सामाजिक और आर्थिक उत्थान बस्तर, कांकेर और कोंडागांव जैसे आकांक्षी जिलों को इस परियोजना से सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं इन सुदूर क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। इस राजमार्ग के माध्यम से बस्तर का कृषि उत्पाद और इस्पात सीधे रायपुर, दुर्ग–भिलाई और विशाखापट्टनम जैसे औद्योगिक केंद्रों से जुड़ जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी, प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और सर्विस सेक्टर में हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह कॉरिडोर बस्तर में औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाने के लिए तैयार है। औद्योगिक और खनिज विकास

बस्तर क्षेत्र लौह अयस्क और अन्य खनिजों से समृद्ध है। यह कॉरिडोर इन खनिजों को विशाखापत्तनम पोर्ट तक तेजी से पहुंचाने में मदद करेगा, जिससे निर्यात और व्यापार में भारी उछाल आएगा। कॉरिडोर के किनारे नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने की संभावना है, जिससे स्थानीय स्तर पर विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। कनेक्टिविटी में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ेगी। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा, दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकल गणेश, कुटुमसर गुफा और चित्रकोट–तीरथगढ़ जैसे जलप्रपातों तक पहुंच आसान होगी। इससे न केवल पर्यटन राजस्व बढ़ेगा, बल्कि आदिम संस्कृति और लोक कलाओं को भी वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलेगी। कांकेर जिले के बासनवाही के मंझिनगढ़ पहाड़ी (केशकाल) को चीरकर 2.79 किमी लंबी छत्तीसगढ़ की पहली ट्विन–ट्यूब टनल बनाई जा रही है। यह टनल उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको–सेंसिटिव जोन से गुजरती है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि वन्यजीवों का आवागमन बाधित न हो। साथ ही पूरे राजमार्ग में मंकी कैनोपी, एनिमल अंडरपास और ओवरपास बनाए जा रहे हैं ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे। रायपुर–विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच–130 सीडी) बस्तर संभाग और पूरे छत्तीसगढ़ के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली एक महत्वाकांक्षी परियोजना है।

## ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम

नीरज

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे

और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया। हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है। इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है।

इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है। राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है। अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है। इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है। इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है। बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

## वैश्विक औसत से बहुत दूर है सत्ता में महिलाओं की भागीदारी

डॉ. राजेन्द्र

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी और विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हांलाकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर यह अलग बहस का विषय हो सकता है। पर एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामलें में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विष्लेषण करे तो हमारे देश का स्थान 147 वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष महिलाएं है तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी और करने की रही है, यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहे या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक महिलाओं की बढ़ नहीं पाई है। महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14–15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है। रौचक बात यह है कि 2009 की 15 वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15 वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हांलाकि 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपातकाल के बाद की स्थितियां थी। 18 वीं लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही। जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो कांग्रेस की भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। जहां तक राज्यों का प्रश्न है तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में है। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य है। त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य है। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं है। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है जहां सबसे कम महिला सदस्य है। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य है। खैर इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद

नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं है। जहां महिलाओं की सीटे आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। आज सरपंच पति या प्रधान पति वाली बात भी नहीं रही है। पिछले चुनाव परिणाम भी यह साफ कर चुके हैं कि आज महिलाएं अपने निर्णय स्वयं लेती है। यही कारण है कि सरकार बनने और बनाने में महिलाओं मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही है। आने वाले समय में इसमें और अधिक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। ऐसे में एक बात साफ हो जानी चाहिए कि बिना आरक्षित सीटों के विधानसभाओं या संसद में महिला सदस्यों की हिस्सेदारी बढ़ने की कल्पना करना बेमानी होगी। यह तो संवैधानिक बाध्यता से ही संभव हो पाएगा। यह सभी राजनीतिक दलों को समझना होगा। यदि महिलाओं की सत्ता में सहभागिता बढ़ानी है तो महिला सीटों का आरक्षण करना ही होगा। यह अवश्य है कि आरक्षण की सीमा आपसी समन्वय व विचार विमर्श से सर्वसम्मति से तय होता है तो यह बेहतर लोकतांत्रिक परंपरा होगी। राजनीतिक दलों को आपसी आग्रह दुराग्रहों से हटकर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। गैरसरकारी संगठनों को भी इस दिशा में देश में माहौल बनाना चाहिए। यह साफ है कि अब समय आ गया है जब महिलाओं की हिस्सेदारी तय होनी ही चाहिए।

## मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन उर्फ घटिया चुनावी भाषण

अनिल

सरकार को मालूम था कि संविधान संशोधन पारित कराने लायक दो तिहाई बहुमत उसके पास नहीं है और ऐसी स्थिति में विधेयक का गिरना तय है। फिर भी उसने चलते चुनाव के बीच संसद का तीन दिवसीय सत्र बुलाया। विधेयक गिरना ही था, सो गिर गया। सरकार का इरादा भी विधेयक पारित कराने से ज्यादा इस विधेयक को लेकर विपक्ष को बदनाम करने का था। ब यह तथ्य सुस्थापित हो चुका है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार व पार्टी का देश के संविधान, स्थापित और मान्य संसदीय प्रक्रिया, किसी भी तरह के नियम–कानून, चुनाव आचार संहिता और नैतिकता आदि में जरा भी विश्वास नहीं है। महिला आरक्षण के नाम पर झूठ–फरेब और घटिया नौटंकी से युक्त उनकी पूरी संसदीय कवायद और उसमें बुरी तरह नाकाम होने के बाद श्राष्ट्र के नाम संदेशश के नाम पर निम्न स्तरीय चुनावी भाषण इसकी ताजा मिसाल है। पिछले 12 साल के अपने अब तक के कार्यकाल के दौरान मोदी ने विभिन्न मौकों पर ऐसी कई मिसालें पेश की हैं लेकिन ताजा मिसाल सबसे बड़ी है। किसी भी देश के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति का यह विशेषाधिकार है कि वह जब चाहे तब अपने देश की जनता से सीधे मुखातिब हो यानी राष्ट्र को संबोधित करे। यह विशेषाधिकार भारत का प्रधानमंत्री होने के नाते मोदी को भी हासिल है। आम तौर पर प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति अपने ऐसे विशेषाधिकार का इस्तेमाल राष्ट्र के समक्ष किसी असाधारण स्थिति पैदा होने पर ही करते हैं। भारत में भी नरेन्द्र मोदी के सभी पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों ने कई बार विशेष अवसरों पर राष्ट्र को संबोधित किया है लेकिन मोदी ने तो इस विशेषाधिकार का इस्तेमाल अपनी सरकार की नाकामियों को ढंकने या अपनी पीठ थपथपाने के लिए ही किया है। इस सिलसिले में हद तो तब पार हो गई जब 18 अप्रैल को उन्होंने राष्ट्र के नाम संदेश को चुनावी सभा में तब्दील कर दिया।पिछले 12 वर्षों में ऐसे कई मौके आए जब राष्ट्र को अपेक्षा थी कि मोदी उसे संबोधित करेंगे, लेकिन उन्होंने राष्ट्र को निराश किया। नोटबंदी के दौरान कई लोग बैंकों पर लगी कतारों में खड़े–खड़े मर गए, छोटे और मध्यम श्रेणियों के कारोबारियों के व्यवसाय चौपट हो गए लेकिन पीएम ने राष्ट्र को संबोधित नहीं किया। अलबत्ता उन्होंने देश–विदेश में अपनी सभाओं में ताली पीट कर और ठहाके लगाते हुए उन लोगों की खिल्ली जरूर उड़ाई जो नोटबंदी से परेशान हो रहे थे।चीनी सेना ने जब अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में घुसकर अपनी चौकियां स्थापित कर उसे अपना क्षेत्र घोषित कर दिया, तब भी उस स्थिति से चिंतित देश की जनता को संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री नमूदार नहीं हुए। इसी तरह जब पुलवामा और पहलगाम में भीषण आतंकवादी हमले हुए, जिनमें सेना के जवानों सहित कई लोग मारे गए, तब भी प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित नहीं किया। पुलवामा हमले के समय वे जिम कार्बेट पार्क में एक विदेशी फिल्मकार के साथ वन विहार कर रहे थे और पहलगाम हमले के समय विदेश में थे और वहां से लौटते ही बिहार में चुनावी रैली को संबोधित करने चले गए थे। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के नाम से सैन्य कार्रवाई की, जिसे किसी निर्णायक स्थिति में पहुंचने से पहले ही अमेरिका ने रूकवा दिया। उस ऑपरेशन सिंदूर को शुरू करते वक्त या उसे रोकने का ऐलान करने के लिए भी मोदी खुद टीवी पर देश से मुखातिब नहीं हुए, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया कि उन्होंने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम करा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति यह दावा 50 से अधिक बार कर चुके हैं लेकिन भारत की ओर से नौकरशाही के स्तर पर तो उसका खंडन कराया गया, खुद मोदी देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाले ट्रम्प के दावे को नकारने की हिम्मत आज तक नहीं जुटा पाए हैं। कोरोना महामारी के दौरान जरूर मोदी ने नौ बार राष्ट्र को संबोधित किया। उस दौरान अपने पहले संबोधन में उन्होंने देशव्यापी जनता कर्फ्यू का और दूसरे संबोधन में पूर्ण लॉकडाउन का ऐलान किया। इसके अलावा बाकी संबोधनों में कभी लोगों से ताली–थाली बजाने की तो कभी दीये–मोमबत्तियां जलाने की और कभी अस्पतालों पर फूल बरसाने जैसी फूहड़ नौटंकी करने की अपील की। उस दौरान उनके राष्ट्र के नाम दो–तीन संबोधन ऐसे भी रहे जिनमें उन्होंने वह बात कही जिनके लिए आम तौर पर सरकार का पत्र सूचना विभाग प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया के माध्यम से लोगों को बताता है। कुल मिला कर उस दौरान प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम सभी संबोधन टाइम पास करने और अपनी सरकार को कुछ करता हुआ दिखाने की कवायद थी। हकीकत यह है कि सरकार लोगों को राहत पहुंचाने का कोई काम करने के बजाय हिंदू–मुसलमान खेलने में जुटी हुई थी और उसने मीडिया को भी इसी काम में लगा रखा था। प्रधानमंत्री से आश्वस्ति कारक राष्ट्र के नाम संबोधन की अपेक्षा उस समय भी की गई थी जब केरलम्, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भीषण प्राकृतिक आपदाएं आई थीं और हजारों लोग मारे गए थे, लेकिन मोदी तब भी विदेश यात्रा में या ट्रेनों को झंडी दिखाने या फिर धार्मिक पर्यटन में ही व्यस्त रहे। अभी जब ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के परिणामस्वरूप शुरू हुए युद्ध से देश में गंभीर ऊर्जा संकट खड़ा हुआ तब भी उम्मीद की जा रही थी कि वे राष्ट्र को संबोधित करेंगे। ऐसा कुछ नहीं हुआ। गैस वितरकों के ऑफिसों और गोदामों पर गैस सिलेंडरों के लिए परेशान लोगों की कतारें लग रही थीं, लोग आपस में मारपीट कर रहे थे और गैस सिलेंडरों की खुलेआम कालाबाजारी हो रही थी लेकिन मोदी असम, बंगाल, तमिलनाडु और केरल में चुनावी रैलियां संबोधित करते हुए किसी भी तरह के संकट को नकारते हुए विपक्ष पर अफवाह फैलाने और लोगों को डराने का आरोप लगा रहे थे। महिला आरक्षण के जिस मुद्दे पर 18 अप्रैल को मोदी राष्ट्र को संबोधित करने के लिए नेशनल टेलीविजन पर नमूदार हुए थे वह मुद्दा शुद्ध रूप से फर्जी था।

# स्मार्ट मीटर लगाने का काम रुका, अब नहीं होंगे नए मीटर – सीमा द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में गुरुवार को राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने विभिन्न समसामयिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्मार्ट मीटर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब स्मार्ट मीटर लगाने का काम रोक दिया गया है और जनता को इस संबंध में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सांसद द्विवेदी ने कहा कि सरकार और संबंधित मंत्री ने निर्णय लेते हुए स्मार्ट मीटर की स्थापना पर फिलहाल रोक लगा दी है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, क्योंकि अब नए स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएंगे। राजनीतिक मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने आल इंडिया त्रिमूल पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी को कानून, संविधान और लोकतंत्र पर विश्वास नहीं है और वह अपने हितों के अनुसार काम करती है। उन्होंने मान्यता को संविधान के दायरे में रहकर काम करने की सलाह दी और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में आगामी समय में भाजपा की सरकार बन सकती है। वहीं के कांग्रेस सांसद द्वारा प्रधानमंत्री न पर की गई टिप्पणी की उन्होंने कड़ी निंदा की। द्विवेदी ने इसे राजनीतिक दिवालियापन बताते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल बेहद शर्मनाक है और इसकी व्यापक स्तर पर आलोचना होनी चाहिए। नारी शक्ति अधिनियम के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि विधेयक पारित हो चुका है, लेकिन इसके क्रियान्वयन के लिए संवैधानिक प्रक्रियाएं आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि परिसीमन और जनगणना जैसी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही इसे प्रभावी रूप से लागू किया जा सकेगा। सांसद द्विवेदी के इन बयानों के बाद स्मार्ट मीटर और अन्य राजनीतिक मुद्दों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

# अजय यादव सपा पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर पुनः मनोनीत सपाइयों ने किया स्वागत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विधानसभा क्षेत्र बदलापुर के ग्राम रमदेईया निवासी अजय यादव को समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर पुनः मनोनीत किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति से प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक अबु आसिम आजमी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। इस मनोनयन के बाद जौनपुर में उनके प्रथम आगमन पर नगर के मंगलम लॉन मियांपुर में एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव और महासचिव आरिफ हबीब ने अजय यादव का बुके और माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इसके बाद उपस्थित अन्य सपा कार्यकर्ताओं ने भी क्रमवार माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष अजय यादव ने अपने स्वागत को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में बड़ी भूमिका निभाएगी और उत्तर प्रदेश में श्पीडीए सरकारश बनाने में कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करेगी। उन्होंने शानदार स्वागत के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जब भी जौनपुर के लोगों को महाराष्ट्र प्रदेश में किसी भी तरह की आवश्यकता पड़ी, अजय यादव ने पूरी मदद की है। उन्होंने अजय यादव को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर हार्दिक स्वागत किया। स्वागत समारोह में राजेश यादव, सुभाष यादव, विधानसभा क्षेत्र सदर के अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, नंदलाल यादव, अनिल यादव, डॉ शिवजीत यादव, भानु प्रताप मौर्य, कृष्णा यादव, प्रदीप यादव बाबा, अनिल यादव, केशू भाई, अमर बहादुर यादव, विजय प्रताप बागी, ऋषि यादव, प्रमोद यादव, भीम यादव, अजय प्रजापति, डॉ जंगबहादुर यादव, सतवंत यादव सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# पीएम किसान योजना में कई किसानों की किस्त रुकी, जानकारी अपडेट कराने की अपील

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उप कृषि निदेशक जौनपुर डॉ. वी.बी. द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की धनराशि तीन समान किस्तों में सीधे उनके आधार–आधारित बैंक खातों में भेजी जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत सरकार द्वारा जनपद के कई कृषक परिवारों की सूचनाएं अपूर्ण पाए जाने के कारण उनकी किस्तों के भुगतान पर रोक लगा दी गई है। जांच में सामने आया है कि कई मामलों में किसानों ने विरासत से प्राप्त कृषि भूमि के पूर्व भू–स्वामी का सही विवरण पंजीकरण के समय दर्ज नहीं कराया। वहीं कुछ मामलों में एक ही भूमि पर पूर्व एवं वर्तमान भू–स्वामी दोनों योजना का लाभ ले रहे हैं। इसके अलावा, ऐसे किसान भी चिन्हित किए गए हैं जिन्होंने 1 फरवरी 2019 के बाद विरासत के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भूमि प्राप्त की है, जिससे उनकी पात्रता प्रभावित हुई है। उप कृषि निदेशक ने प्रभावित किसानों से अपील की है कि जिनकी किस्तें वर्तमान में नहीं आ रही हैं, वे प्रधानमंत्री किसान पोर्टल www-pmkisan-gov-in पर जाकर "Update Missing Information" विकल्प के माध्यम से अपनी जानकारी अपडेट करें। किसान स्वयं या नजदीकी जन सेवा केंद्र के जरिए आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पूर्व भू–स्वामी का मृत्यु प्रमाण पत्र एवं सत्यापित खतौनी अपलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जानकारी पूर्ण होने के बाद ही रोकी गई किस्तों के भुगतान पर भारत सरकार द्वारा निर्णय लिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार या उप कृषि निदेशक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

# एसकेडी एकेडमी ने कायम रखी परंपरा, कक्षा 12 में फिर मिला लखनऊ टॉपर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी के छात्रों ने यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया है तथा शैक्षिक उत्कृष्टता की अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। अपनी निरंतर उत्कृष्ट उपलब्धियों की श्रृंखला को जारी रखते हुए, एसकेडी एकेडमी ने इस वर्ष भी कक्षा 12 में लखनऊ टॉपर दिया। छात्र सुभान अली ने 95: अंक प्राप्त कर लखनऊ में प्रथम स्थान हासिल किया, साथ ही उन्होंने जेईई मेन्स में 88 परसेंटाइल भी प्राप्त किए। अन्य प्रमुख उपलब्धियों में, सुभान अली ने कक्षा 12 में 95: अंक प्राप्त किए, जबकि वंश राज सिंह ने कक्षा 10 में 91.67: तथा गौरव सिंह ने 91.33: अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान के आशीर्वाद, अभिभावकों के निरंतर सहयोग तथा प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने विद्यालय द्वारा प्रदान की गई सुव्यवस्थित शैक्षणिक व्यवस्था कृ जिसमें विस्तृत अध्ययन सामग्री, नियमित असाइनमेंट, व्यक्तिगत शंका समाधान सत्र, प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष तैयारी एवं सघन टेस्ट श्रृंखला शामिल है की सराहना की। एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक श्री मनीष सिंह ने इस उपलब्धि पर छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये प्रतिभाशाली छात्र भविष्य में भी अपने–अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। साथ ही उन्होंने आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विद्यालय के मेधावी छात्रों को जुलाई माह में आयोजित एक भव्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन कृ चेयरमैन श्री एसकेडी सिंह, निदेशक श्री मनीष सिंह, उप–निदेशक सुश्री निशा सिंह, सहायक निदेशक सुश्री कुसुम बत्रा एवं प्रधानाचार्या सुश्री शैली श्रीवास्तव ने छात्रों के सतत प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# श्रीमद्भागवत कथा से आत्मिक मुक्ति का मार्ग प्रशस्त : शिवानन्द भाई श्री महाराज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में बुधवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन नैमिषारण्य, सीतापुर स्थित सनातन उत्थान फाउंडेशन के संस्थापक शिवानन्द भाई श्री महाराज के सानिध्य में प्रारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन शिवानन्द महाराज ने कलयुग में श्रीमद्भागवत की महिमा और संकीर्तन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भगवान की स्तुति के साथ भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए गोकर्ण और उनके भाई धुंधकारी का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि धुंधकारी अपने जीवन में दुष्कर्मों में लिप्त रहा, जिसके कारण मृत्यु के बाद वह प्रेत योनि में चला गया। गोकर्ण ने अपने भाई की मुक्ति के लिए सूर्य भगवान के निर्देश पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया, जिसके श्रवण मात्र से धुंधकारी को प्रेत योनि से मुक्ति प्राप्त हुई। महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित है, जो भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अमृत स्रोत है। इसके श्रवण से व्यक्ति का आध्यात्मिक विकास होता है और भगवान के प्रति श्रद्धा बढ़ती है। उन्होंने कहा कि इस पावन कथा को सुनने से मनुष्य को मृत्यु का भय नहीं रहता और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया ने भी पहुंचकर कथा का श्रवण किया और आरती में भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण अत्यंत पुण्यदायी है। उन्होंने व्यासपीठ पर विराजमान गुरुजी की सराहना करते हुए कहा कि ज्ञान ही सबसे बड़ा सम्मान है और जिनके पास भागवत का ज्ञान है, उनका स्थान सर्वोच्च होता है। उन्होंने लोगों से कथा के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव 'हैप्पी', नवनीत श्रीवास्तव, अंजना सिंह, प्रदीप सिंह 'रिंकू', मनीष चौरसिया, ऋतुराज सिंह 'छोटू', सतीश सिंह एवं वरिष्ठ पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

# शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना सरोजनीनगर पुलिस टीम ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है।पुलिस के अनुसार 15 नवंबर 2025 को पीड़िता द्वारा थाना सरोजनीनगर में तहरीर देकर बताया गया था कि उसकी दोस्ती उवैश अली पुत्र स्वर्गीय उमर अली निवासी आजादनगर थाना सरोजनीनगर, लखनऊ से हुई थी। आरोप है कि अभियुक्त ने पीड़िता को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए तथा इसका वीडियो भी बना लिया। इसके बाद उसने शादी का झांसा देकर लगातार शारीरिक संबंध बनाए।पीड़िता के अनुसार बाद में अभियुक्त ने शादी से इंकार कर दिया और शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने तथा जान से मारने की धमकी दी। इस तहरीर के आधार पर थाना सरोजनीनगर में मुकदमा संख्या 134526 धारा 69 एवं 351(3) बीएनएस तथा आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर एक धारा का लोप भी किया गया।मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम अभियुक्त की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर 21 अप्रैल 2026 को अभियुक्त उवैश अली, उम्र लगभग 24 वर्ष, निवासी आजादनगर थाना सरोजनीनगर को कामर्शियल तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, उसका वीडियो तैयार किया ।

# फर्जी प्लॉट के दस्तावेज तैयार कर लाखों की धोखाधड़ी करने वाला शातिर गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के थाना पीजीआई पुलिस ने प्लॉट के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने और रुपये हड़पने वाले एक शातिर वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से एक मोबाइल फोन, दो पैन कार्ड, तीन डेबिट कार्ड, एक आधार कार्ड तथा एक ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया है।पुलिस के अनुसार 9 जनवरी 2025 को उन्नाव जनपद के बेहटा नथई सिंह, कोरारी कलां निवासी गायत्री देवी द्वारा थाना पीजीआई में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया गया था कि गौरव अवस्थी और अन्य व्यक्तियों ने मिलकर उन्हें प्लॉट बेचने के नाम पर रुपये हड़प लिए और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी की। इस मामले में थाना पीजीआई पर मुकदमा संख्या 1452025 धारा 316(2), 338, 336(3), 340(2), 61(2) एवं 351(3) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था।मामले की विवेचना के दौरान थाना पीजीआई पुलिस टीम वांछित अभियुक्त की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में पुलिस टीम तेलीबाग क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमे से संबंधित वांछित अभियुक्त यूनियन बैंक, थाना विभूतिखंड क्षेत्र के पास मौजूद है। सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की और एक व्यक्ति को पकड़ लिया।पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम सर्वेश कुमार पाण्डेय पुत्र ध्यानचन्द्र पाण्डेय, उम्र करीब 36 वर्ष, निवासी रतनखण्ड शारदानगर थाना आशियाना, लखनऊ बताया।

# प्रेशर हॉर्न बजने से बाइक सवार दंपती घबराए, महिला की साड़ी ट्रक में फंसी, सिर पर पहिया चढ़ने से मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी के जहांगीराबाद में बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में डेंटल कॉलेज जा रही महिला कर्मी की मौत हो गई। रसूलपुर निवासी सावित्री देवी अपने पति के साथ बाइक से लखनऊ ड्यूटी पर जा रही थीं। अतरोरा गांव के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने प्रेशर हॉर्न बजाया, जिससे बाइक डगमगा गई। इस दौरान महिला की साड़ी ट्रक में फंस गई और वह सड़क पर घिसटती चली गईं। बाद में ट्रक का पहिया चढ़ने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर निवासी सावित्री देवी अपने पति सहजराम गौतम के साथ बाइक से लखनऊ स्थित सरस्वती डेंटल कॉलेज ड्यूटी के लिए जा रही थीं। सुबह जैसे ही दोनों अतरोरा गांव के पास पहुंचे, पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार प्रेशर हार्न बजाया। अचानक तेज आवाज से सहजराम का संतुलन बिगड़ गया। बाइक पर पीछे बैठी सावित्री देवी की साड़ी ट्रक में फंस गई। इससे वह सड़क पर घिसटती चली गईं। इसके बाद ट्रक का अगला पहिया उनके ऊपर चढ़ गया। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से चालक फरार बताया जा रहा है। मृतका सावित्री देवी अपने पीछे तीन बेटियां और एक पुत्र छोड़ गई हैं। परिजनों में इस घटना के बाद कोहराम मचा हुआ है। थानाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद शुक्ला ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

# लगातार तीन हार के बाद लखनऊ सुपरजायंट्स दबाव में, होम ग्राउंड में जीतने की होगी कोशिश

लखनऊ, (संवाददाता)। आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम लगातार दूसरे सत्र में संघर्षरत दिख रही है। अंक तालिका में नौवें पायदान पर फिसल चुके सुपरजायंट्स को अगले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स की मुश्किल चुनौती से पार पाना होगा। साथ ही टीम अपने घर में मिली हार के सिलसिले को तोड़कर पहली जीत दर्ज करने का लक्ष्य देकर मुकाबले में उतरेगी। दूसरी ओर राजस्थान की टीम पिछले दो मुकाबलों में मिली हार से उबरकर लखनऊ को हराकर जीत के ट्रैक पर वापस लौटना चाहेगी, ताकि प्लेऑफ के लिए टीम अपना दावा मजबूत कर सके। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए आईपीएल में अभी तक कुछ भी अच्छा नहीं रहा। बल्लेबाजी क्रम में बार–बार बदलाव करना टीम के हित में नहीं गया, जबकि गेंदबाजी विभाग ने भी निराश किया है। टीम के ओवरसीज बल्लेबाज मिचेल मार्श (छह मैच में 155 रन) और एडन मार्करम (छह मैच में 162) अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेल सके हैं, जबकि निकोलस पूरन (छह मैच में 51 रन) पूरी तरह फ्लाप रहे। कप्तान पंत भी अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखा पाए और छह मैच में 147 रन ही बना सके हैं। गेंदबाजी की बात की जाए तो टीम के लिए सबसे ज्यादा 11 विकेट हासिल करने वाले प्रिंस यादव खासे महंगे (इकोनॉमी रेट–8.69) साबित हुए है। अनुभवी पेसर शमी (छह मैच में पांच विकेट), आवेश खान (पांच मैच में पांच विकेट) और दिग्वेश राठी (चार मैच में तीन विकेट) भी प्रभावित नहीं कर सके। ऐसे में टीम प्रबंधन को दूसरे विकल्पों की ओर देखना होगा। आईपीएल में राजस्थान को मिली सफलता का श्रेय उनकी सलामी जोड़ी (यशस्वी जायसवाल– छह मैच में 223 रन और वैभव सूर्यवंशी–छह मैच में 246 रन) को जाता है। दोनों ने तेज शुरुआत दिलाकर जीत की आधारशिला रखी। इसमें 15 साल के सूर्यवंशी खासे आक्रामक दिखे, जिन्होंने छह मैच में 41 के शानदार औसत और 236.53 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से 246 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने शमी और हेजलवुड सरीखे गेंदबाजों की खूब क्लास ली। ऐसे में शमी से उनका मुकाबला देखने वाला होगा। राजस्थान की गेंदबाजों में रवि बिश्नोई (छह मैच में 10 विकेट) लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खतरा बन सकते हैं, जो पिछले तीन सत्रों में लखनऊ टीम का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा अनुभवी रवींद्र जडेजा और पेसर जोफ्रा आर्चर ने टीम की सफलता में योगदान दिया है।

# न्यूक्लीयर मेडिसिन विभाग की इकलौती डॉक्टर ने इस्तीफा दिया

लखनऊ, (संवाददाता)। कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग की इकलौती डॉक्टर सोनम सुमन ने इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, संस्थान छोड़ने की वजह साफ नहीं है। डॉक्टर के इस्तीफे से न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में पेट सीटी समेत दूसरी मशीनों के संचालन को झटका लगा है। कैंसर संस्थान की ओपीडी में हर दिन 400 मरीज आ रहे हैं। करीब 300 बेड हैं। इमरजेंसी में हर दिन 40– 50 मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। वेतन विसंगति समेत दूसरी बदइंतजामी की वजह से बीते पांच साल में 28 विशेषज्ञ डॉक्टर नौकरी छोड़कर जा चुके हैं। 60 से अधिक नर्सिंग स्टाफ और करीब एक दर्जन से ज्यादा टेक्नीशियन व कर्मचारी कैंसर संस्थान को इस्तीफा भेज चुके हैं। संस्थान में चार विभागों में एक भी डॉक्टर नहीं है। इनमें रेडियोडायग्नोसिस, मेडिकल आंकोलाजी, प्लास्टिक सर्जरी और न्यूक्लियर मेडिसिन है। डॉक्टर न होने कैंसर मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। मरीजों की न्यूक्लीयर मेडिसिन विभाग से संबंधित जांच नहीं हो पा रही है।

# नियमित पढ़ाई के साथ सेल्फ स्टडी को दी प्राथमिकता

लखनऊ, (संवाददाता)। देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई मेन) का परिणाम सोमवार देर शाम राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जारी कर दिया। राजधानी में इस वर्ष परिणाम पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर रहा। आंकड़ों के अनुसार, 10 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा में सफलता हासिल की है। सफल छात्रों का कहना है कि अब तैयारी का पैटर्न बदल रहा है। कोचिंग पर निर्भरता के साथ–साथ सेल्फ स्टडी पर विशेष फोकस बढ़ा है। 99.90 पर्सेंटाइल हासिल करने वाले हजरतगंज निवासी राणा श्रत्रुजीत ने बताया कि 10वीं कक्षा से ही तैयारी शुरू कर दी थी और धीरे–धीरे नियमित पढ़ाई के साथ सेल्फ स्टडी को प्राथमिकता दी। इसी तरह प्रसुख जैन ने 99.88 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए। उन्होंने बताया कि कोचिंग सहायक रही, लेकिन इंटरमीडिएट के गणित नोट्स और स्वयं अध्ययन ने मजबूत आधार तैयार किया। जेईई की तैयारी करा रहे शिक्षक डीके मिश्रा के अनुसार, बेहतर शैक्षणिक वातावरण सफलता की कुंजी है।

# नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव ने किए रामलला के दर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव बुधवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि में दर्शन–पूजन किया। रामलला के दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर को आस्था, गौरव और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताया। मीडिया से बातचीत में राज्यपाल ने कहा कि भगवान राम हमारे पाहुन हैं, इसलिए मैं अपने पाहुन के घर आया हूं। अयोध्या आना अपने प्रभु के घर आने जैसा दिव्य अनुभव है। भगवान श्रीराम केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि आदर्श पुरुष हैं, जिनके जीवन से समाज को मर्यादा, कर्तव्य और त्याग की प्रेरणा मिलती है। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण होना पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। यह केवल मंदिर नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का सम्मान है। राम स्वरूप में माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान का समावेश भारतीय संस्कृति, परिवार व्यवस्था और समर्पण की भावना को दर्शाता है। नई अयोध्या आध्यात्मिकता, संस्कृति और विकास का अद्भुत संगम बनकर उभर रही है। यहां आकर हर भारतीय गौरव और आत्मीयता का अनुभव करता है।

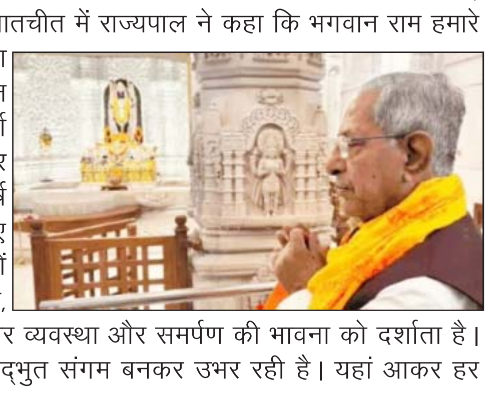

# आजाद लेखक कवि सभा ने मनाई ज्ञानी दित्त सिंह की जयंती

लखनऊ, (संवाददाता)। समाज सुधारक, विद्वान और लेखक ज्ञानी दित्त सिंह की जयंती पर आलमबाग स्थित गुरु तेगबहादुर भवन चंदरनगर में मंगलवार को आजाद लेखक कवि सभा की ओर से आयोजन किया गया। सरदार नरेंद्र सिंह मोंगा की अध्यक्षता में बीबी रूही वडेरा और हरलीन कौर वडेरा ने कीर्तन से प्रभु का सुमिरन किया। सरबजीत सिंह बख्शिश ने कार्यक्रम का संचालन किया। आजाद लेखक कवि सभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह मोंगा ने कहा कि ज्ञानी दित्त सिंह विद्वान थे जिन्हें तर्कसंगत दलीलों का बादशाह कहा जाता है। उन्होंने खालसा कॉलेज अमृतसर की स्थापना की थी। इस अवसर पर त्रिलोक सिंह बहल, एस. निर्मल सिंह, बीबी रवनेत कौर, जसबीर कौर, शरणजीत कौर, एस. दविंदर पाल सिंह बग्गा, अजीत सिंह, हरपाल सिंह गुलाटी ने भी ज्ञानी दित्त सिंह के कृतित्व के बारे में बताया।

# गुरुकुल के 4 वर्ष पूर्ण संस्कार और शिक्षा से राष्ट्र निर्माण का संकल्प : राष्ट्रीय युवा वाहिनी

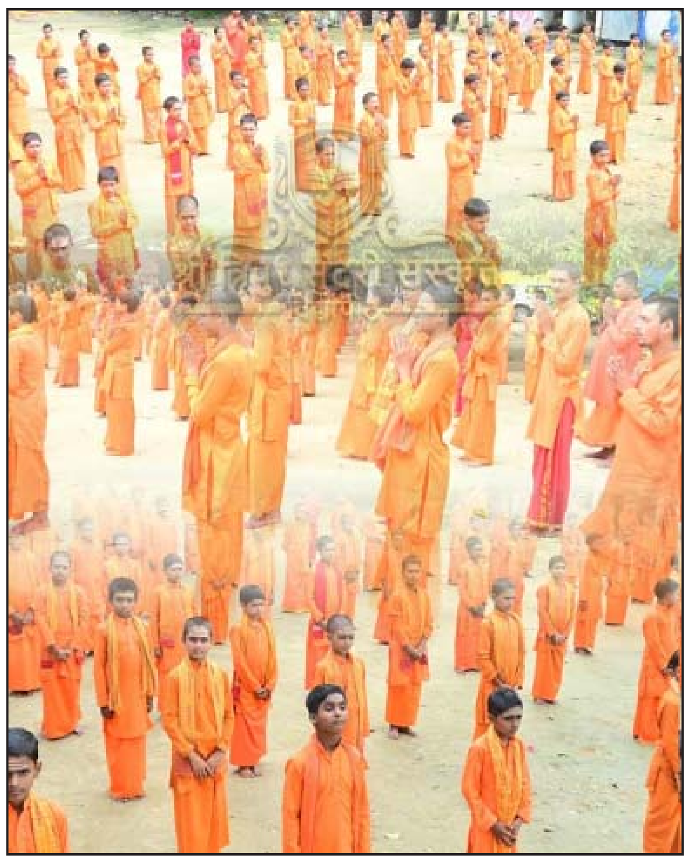

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी एवं राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के द्वारा संचालित गुरुकुल के सफलतम 4 वर्ष पूर्ण होने पर संगठन में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। इस अवसर पर संगठन ने सभी सहयोगियों, आशीर्वाददाताओं और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा कि गुरुकुल केवल एक शैक्षणिक केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और सनातन मूल्यों का जीवंत केंद्र है, जो समाज और राष्ट्र को दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि आज पूरे भारतवर्ष में राष्ट्रीय युवा वाहिनी द्वारा संचालित करीब 50 गुरुकुल और 1000 से अधिक संस्कारशालाएं सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं, जहां बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ–साथ भारतीय संस्कृति, नैतिकता और राष्ट्रभक्ति का ज्ञान दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने का सपना तभी साकार होगा, जब हमारी शिक्षा प्रणाली संस्कारों से जुड़ी होगी। गुरुकुल व्यवस्था उसी दिशा में एक सशक्त कदम है, जो आने वाली पीढ़ियों को मजबूत आधार प्रदान कर रही है। संगठन ने देशभर के नागरिकों से आह्वान किया कि इस पुनीत कार्य में बढ़–चढ़कर सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक बच्चों तक संस्कारयुक्त शिक्षा पहुंचाई जा सके और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके। अंत में उन्होंने सभी को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले समय में गुरुकुलों की संख्या और प्रभाव दोनों को और अधिक बढ़ाया जाएगा।

# अयोध्या एकेडमी के प्रतिभाशाली छात्र सुमित तिवारी ने जेईई मेन में पाई सफलता

(अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या एकेडमी के प्रतिभाशाली छात्र सुमित तिवारी ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई मेन 2026 (सेशन–2) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया है। सुमित ने कुल 96.64 पर्सेंटाइल प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की।जारी परिणाम के अनुसार सुमित ने गणित, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान तीनों विषयों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों में खुशी की लहर है।विद्यालय के प्रबंधक प्रदीप तिवारी एवं शिक्षकों ने सुमित को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर सुमित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, शिक्षकों और नियमित मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास, सही मार्गदर्शन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।सुमित की इस उपलब्धि से अयोध्या एकेडमी के अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिलेगी।विद्यालय की प्रधानाचार्या सौम्या अचारी ने बताया कि विद्यालय हमेशा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

# खजनी में रसोई गैस किल्लत पर भड़के ग्राहक, हंगामा– पुलिस से नोकझोंक

गोरखपुर,, (संवाददाता)। पश्चिम एशिया में संघर्ष पर विराम के बावजूद रसोई गैस किल्लत खत्म होने का नमा नहीं ले रही। मांग की तुलना में आपूर्ति कम होने के चलते गैस सिलिंडर की किल्लत बढ़ती जा रही है। मंगलवार को खजनी स्थित गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण के दौरान जमकर हंगामा हुआ। व्यवस्था संभालने पहुंची पुलिस से भी लोगों की तीखी नोकझोंक हुई। बाद में मामला शांत होने पर पुलिस की निगरानी में सिलिंडर बंटवाए गए। बताया जा रहा है कि सुबह करीब चार बजे से ही सैकड़ों उपभोक्ता गैस सिलिंडर लेने के लिए गोदाम के बाहर लाइन में खड़े हो गए थे, लेकिन समय पर वितरण शुरू न होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। स्थिति धीरे–धीरे तनावपूर्ण हो गई और उपभोक्ताओं व एजेंसी कर्मियों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस से भी लोगों की नोकझोंक हुई। गोदाम के बाहर लंबी लाइन में लगे उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि एजेंसी पर गैस की पर्याप्त उपलब्धता नहीं थी और वितरण प्रक्रिया भी सही तरीके से नहीं चल रही थी। इसी बीच वाहन से सिलिंडर वितरण किए जाने को लेकर भी लोगों ने आपत्ति जताई, जिससे मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही खजनी पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को को समझाने प्रयास किया। एजेंसी संचालक ने बताया कि गैस की आपूर्ति कम है, जबकि उपभोक्ताओं की संख्या अधिक है। बुकिंग के बाद सिलिंडर मिलने में करीब 45 दिन का समय लग रहा है, जो सबसे बड़ी समस्या बन गई है। थाना प्रभारी खजनी ने बताया कि मामला शांत हो गया है। पुलिस की मौजूदगी में गैस वितरण किया गया। उधर, गैस वितरण में बैकलॉग बढ़ा है। पहले जहां बैकलॉग लगभग 1000 गैस सिलिंडर के आसपास था, वह अब बढ़कर 2000 तक पहुंच गया है। वहीं, छोटी एजेंसियों में भी बैकलॉग 500 से बढ़कर 1000 सिलिंडर तक हो गया है। शहर में पेट्रोल और डीजल की कमी से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। मंगलवार को शहर के कई पेट्रोल पंप ड्राई हो गए। लोग एक–दूसरे पेट्रोल पंप पर चक्कर लगाते रहे। वहीं, जिन पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल–डीजल बंटा वहां बाइक में अधिकतम 200 रुपये और चार पहिया वाहन में 1000 रुपये का ही तेल दिया गया। इससे स्थिति और बिगड़ गई, कई पंपों पर कर्मचारियों और लोगों में नोकझोंक भी हुई। आजाद चौक, महेवा फल मंडी और गोलघर काली मंदिर के पास स्थित चार पेट्रोल पंप मंगलवार दोपहर में पूरी तरह ड्राई हो गए।

# पॉलीग्राफ टेस्ट के बाद भी उलझी गुत्थी, 4 के बयानों में अंतर- बेटी ने भी उलझाया

गोरखपुर,, (संवाददाता)। चौरीचौरा थाना क्षेत्र में हुए चर्चित मां–बेटी हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने के बजाय और पेचीदा हो गई है। पुलिस की ओर से कराए गए पॉलीग्राफ (लाई डिटेक्टर) टेस्ट के नतीजों ने जांच को नई दिशा देने के बजाय कई सवाल खड़े कर दिए हैं। छह लोगों के इस टेस्ट में सिर्फ दो लोगों के बयान स्पष्ट और संतोषजनक पाए गए, जबकि वादी मुकदमा खुशबू समेत चार लोगों के बयानों में विरोधाभास सामने आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने छह लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट बंगलूरू में कराया। यह प्रक्रिया सीओ कैंपियरगंज के नेतृत्व में पूरी हुई। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान चार अहम सवाल पूछे गए थे। इनमें से सुरेंद्र और सरजू नाम के दो आरोपियों ने सभी सवालों पर स्पष्ट जवाब दिए, जबकि बाकी चार लोगों के जवाबों में असंगति और झिझक दिखाई दी। पुलिस की जांच में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि वादी मुकदमा खुशबू के बयान भी पूरी तरह सुसंगत नहीं

पाए गए। पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान उसके जवाबों में उतार–चढ़ाव दर्ज किया गया, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो सका कि वह पूरी तरह सच बोल रही है या नहीं। वहीं, मुख्य आरोपी संजय, जो पहले जेल जा चुका है, उसके बयान भी टेस्ट में पूरी तरह खरे नहीं उतरे। इससे पुलिस अब इस संभावना पर भी विचार कर रही है कि घटना में शामिल लोगों की भूमिका अपेक्षा से अधिक जटिल हो सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पॉलीग्राफ टेस्ट को अंतिम प्रमाण नहीं माना जाता, बल्कि यह केवल जांच को दिशा देने का एक माध्यम होता है। ऐसे में अब पुलिस अन्य तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल्स, फॉरेंसिक रिपोर्ट और गवाहों के बयानों के आधार पर केस को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रही है। फिलहाल इस डबल मर्डर केस में सच तक पहुंचने के लिए पुलिस तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों पर भरोसा कर रही है।

# भाजपा नेता आशीष शर्मा अग्निकांड पीड़ितों से मिलकर बांटी राहत सामग्री

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। भाजपा नेता भारतीय जनता युवा मोर्चा के अयोध्या जिला के उपाध्यक्ष आशीष शर्मा आदर्श रुदौली नगर पालिका परिषद क्षेत्र के अवंतीबाई लोधी वार्ड के जहानपुर में विगत दिनों लगी से पीड़ित से मिले। इस अवसर पर आशीष शर्मा ने अग्निकांड से पीड़ित को राहत सामग्री वितरित की। भाजपा नेता ने परिवार जनों को दुख की घड़ी में ढांढस बढ़ाया और कहा कि इस मुश्किल में आपके साथ खड़ा हूं। ज्ञात हो कि विगत दिवस जहानपुर में लगी इस आग से पांच परिवार की गृहस्थी का नुकसान हुआ था। जिसमें राम समुझ लोधी, महेश लोधी, रमेश लोधी लल्लू रावत सुरेन्द्र लोधी के घर में रखी खाद्य सामग्री व गृहस्थी के अन्य सामान जल गए थे। भाजपा नेता आशीष शर्मा ने पीड़ित परिवारों

को आटा,चावल,सब्जियां, तेल, मसाला लाई तिरपाल व फर्स्ट ऐड के लिए दवाईयां वितरित की।भाजपा नेता आशीष शर्मा ने कहा कि यह घटना बहुत दुखद है। इस दुख की घड़ी में हम सब पीड़ित जनों के साथ खड़े है। सामाजिक कार्यकर्ता संजय अग्रवाल ने अग्निकांड के पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की।उन्होंने कहा कि माननीय विधायक रामचन्द्र यादव जी पीड़ित परिवारों से पहले ही मिलके उन्हें मदद कर चुके हैं। आशीष शर्मा ने बताया कि माननीय विधायक जी बात की है शीघ्र से अग्निकांड से हुई क्षति के लिए प्रशासनिक मदद मुहैया होगी।इस अवसर पर उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता संजय अग्रवाल विजय तिवारी लल्लू लोधी, पूर्व बीडीसी अर्जुन लोधी कोटेदार एजाज निशीथ अभिषेक सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# अधिक से अधिक दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का उठाये लाभ - शशांक त्रिपाठी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। नवागत जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी–विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत युवक के दिव्यांग होने की दशा में रू. 15000.00 व युवती के दिव्यांग होने की दशा में रू. 20000.00 तथा युवक–युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रू. 35000.00 धनराशि प्रदान की जाती है।इसमें पात्रता की शर्ते है जिसमें शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो। युवती की उम्र 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक न हो, दम्पति में कोई भी आयकर दाता न हो, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांग प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए, ऐसे दिव्यांग दंपति पात्र होंगे जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुआ हो, इस योजना के लिए यदि विवाह प्रमाण–पत्र उपलब्ध है, तो उसकी छायाप्रति स्वप्रमाणित कर उसे अपलोड किया जाना स्वैच्छिक होगा। दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत इच्छुक दिव्यांग दम्पत्ति जिनका विवाह

वर्तमान वित्तीय वर्ष एंव गत वित्तीय वर्ष में सम्पन्न हुआ हो, ऐसे दिव्यांग दम्पत्ति पशादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार अनुदान प्राप्त करने हेतु आन लाइन http//divyangjan-upsdc-gov-in पर आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करते समय आवेदक दम्पत्ति दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, आय व जाति प्रमाण पत्र, युवक एवं युवती का आयु का प्रमाण (जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो), सक्षम अधिकारी से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता, अधिवास का प्रमाण पत्र एवं युवक, युवती का आधार कार्ड की छाया प्रति आदि अभिलेखों के साथ आवेदन पत्र ऑनलाइन उपरोक्त वेबसाइट पर अपलोड करते हुए आवेदन करें, साथ ही ऑनलाइन सबमिट आवेदन पत्र की प्रिंट प्रति एवं अपलोड किये गये वांछित प्रपत्रों की स्वप्रमाणित हार्ड कॉपी ,जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, विकास भवन, भूतल, अयोध्या के कार्यालय में जमा करें।अधिक जानकारी के लिए जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी या कार्यालय में तैनात कर्मचारी से किसी भी कार्य दिवस में संपर्क जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

# अयोध्या डिपो से तीन दर्जन से अधिक एसी बसें हो रही संचालित – आदित्य प्रकाश

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। इस प्रचंड गर्मी मे अयोध्या आने और यहां से अपने अपने गंतव्य स्थानों तक जाने वाले बस यात्रियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए रामनगरी से कानपुर वाराणसी प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्गो पर तीन दर्जन से अधिक एसी बसे संचालित हो रही है।जिनमें से आधा दर्जन से अधिक जनरथ तो कुछ इलेक्ट्रिक तथा और अन्य आयशर एसी बसें इन रुटों पर चल रही है।जबकि आने वाले महीना में 20 इलेक्ट्रॉनिक बसों की और आने की उम्मीद है।इस बात की जानकारी सहायक प्रबंधक रोडवेज अयोध्या डिपो आदित्य प्रकाश ने दिया उन्होंने बताया की अयोध्या में जब से राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है और राम प्रतिष्ठा होने के बाद श्रद्धालुओं की आवागमन में काफी बढ़ोतरी हुई

है।उनकी सुविधाओं को देखते हुए खासकर कानपुर वाराणसी और प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्गों पर एसी बसों के संचालन में बढ़ोत्तरी की गई है।उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में 8 जनरथ बसें प्रयागराज और बनारस मार्ग पर संचालित है जबकि 11 आयशर एसी बसें जिनमें तीन कानपुर चार–चार बसें वाराणसी और प्रयागराज राजमार्ग पर चल रही है।देखा जाए तो इसी तरह 20 इलेक्ट्रॉनिक एसी बसों में से 8 बसे प्रयागराज लखनऊ तथा गोंडा राजमार्ग पर भी चलाई जा रही हैं जिससे कि अयोध्या जनपद आने और यहां से जाने वाले बस यात्रियों को इस गर्मी में ठंड से निजात मिल सके।

# तेज हवा के चलते फैलती चली गई आग, दो युवक और तीन छात्र झुलसे

गोरखपुर,, (संवाददाता)। एम्स थाना क्षेत्र के रामूडीहा में मंगलवार दोपहर गेहूं के डंठलों में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इससे दो युवक, एक छात्र और दो छात्राएं गंभीर रूप से झुलस गईं। आग रामूडीहा से फैलकर कई गांवों तक पहुंच गई। सूचना पर जब तक फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची आग से हजारों का सामान जल चुका था। सूचना पर एसडीएम सदर दीपक कुमार गुप्ता, सोनबरसा चौकी प्रभारी नितेश कुमार राय, हलका लेखपाल मोहन कुमार व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायलों को अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार, पिपराइच क्षेत्र के बसडीला रौसड़ में गेहूं के डंठलों में लगी आग तेज हवा के चलते रामूडीहा के सीवान तक पहुंच गई और देखते ही देखते विकराल हो गई। इसी दौरान स्कूल से घर लौट रहे रामूडीहा निवासी छात्र आयुष उर्फ बिल्लू (7), छात्रा शिवांगी (8) और काजल (9) आग की चपेट में आ गईं। गांव के ही निवासी दिलीप कुमार (25) ने जान जोखिम में डालकर बच्चों को आग से बचाया। इस दौरान वह खुद भी झुलस गए। वहीं, रामू यादव (17) भी आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें परिजन गोरखपुर के एक निजी अस्पताल ले गए। आग की चपेट में आने से कपिलदेव ओझा का टिनशेड मकान जलकर राख हो गया। इससे चौकी, बर्तन, राशन, अनाज, गद्दा, कपड़े समेत करीब 20 हजार रुपये का सामान नष्ट हो गया। इसके अलावा रमाशंकर ओझा की बांस की कोठी भी जल गई। आग की लपटें रामूडीहा से आगे बढ़ते हुए रामपुर बुजुर्ग तक पहुंच गईं, जहां ग्रामीणों ने नहर से पानी लाकर आग बुझाने की कोशिश की और गांव को बचा लिया।

# पटरंगा थाना क्षेत्र के सराय अहमद गांव में चोरी की वारदात

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र के सराय अहमद गांव में मंगलवार की रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीछे के रास्ते छत पर चढ़कर घर में दाखिल हुए चोर दो कमरों में रखे पुस्तैनी सोने–चांदी के जेवरात समेट ले गए। पीड़ित परिवार के अनुसार करीब पांच लाख रुपये के गहने चोरी हुए हैं।पीड़ित चांद बाबू पुत्र खादिम रसूल ने बताया मंगलवार रात परिवार भोजन के बाद सो गया था। कुछ सदस्य कमरे में तो कुछ बरामदे में सो रहे थे। इसी दौरान चोर जीने के रास्ते घर में घुस आए और अंदर रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि चोर उस कमरे तक पहुंच गए, जहां दंपति सो रहे थे और उनकी पत्नी के पैर से पायल तक काट ले गए।पीड़िते ने बताया कि चोर दो सोने की माला, कान के टप्स, दो सोने की अंगूठी, चांदी की चूड़ी, कमर करधनी व पायल समेत अन्य कीमती पुश्तैनी जेवरात बटोर ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिवार के होश उड़ गए।डायल 112 की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी शशिकांत यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है,मामले में पुलिस टीमों को लगाया गया है,जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

# सेफ्टी टैंक की सफाई में तीन लोगों की हालत बिगड़ी

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र के हैदरगंज मुगलपुरा सेफ्टी टैंक की सफाई में तीन लोगों की हालत बिगड़ गई।एक मजदूर समेत तीन लोगों की हालत नाजुक बनी है। सेफ्टी टैंक सफाई के दरमियान मजदूर के बेहोश होने के बाद पिता पुत्र बचाने गये थे। मजदूर को बचाने के प्रयास के दरमियान पिता पुत्र बेहोश है।कड़ी मस्कत के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से फायर ब्रिगेड और जिला पुलिस की टीम ने किया सेफ्टी टैंक से तीनों लोगों को रेस्क्यू किया गया है।जिला अस्पताल भेजा इलाज के लिए गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल से ट्रामा सेंटर दर्शन नगर के लिए रेफर किया गया है।मामला नगर कोतवाली के हैदरगंज मोहल्ले से निजी शौचालय के टैंक को साफ करते समय बड़ा हादसा हुआ।टैंक के अंदर जाते ही जहरीली गैस से घर का एक सदस्य और एक मजदूर हुआ बेहोश। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू कर दोनों को बाहर निकल गया।गंभीर हालत में दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत बिगड़ता देख डॉक्टरों ने दोनों को दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज रेफर किया।मौके पर अग्निशमन अधिकारी, सीओ सिटी श्रेयस त्रिपाठी,नगर कोतवाल अश्वनी पाण्डेय मौजूद रहे।

# दिगम्बर जैन मन्दिर में हुआ झण्डारोहण , इन्द्रध्वज विधान का शुभारंभ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। श्री भगवान ऋषभदेव बड़ी मूर्ति दिगम्बर जैन मन्दिर रायगंज में भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के संघ सानिध्य में इन्द्रध्वज महामण्डल विधान का शुभारंभ झण्डारोहण पूर्वक हुआ महाराष्ट्र से आए हुए भक्तों के द्वारा पाँच दिवसीय महानुष्ठान का शुभारंभ आज प्रातरूकाल भगवान ऋषभदेव की बड़ी मूर्ति का अभिषेक एवं शांतिधारा पूर्वक शुभारंभ किया गया १२ फुट बाई १२ फुट का मंडल बनाकर के पंचमेरु एवं ४५८ जिनालय को मण्डल पर स्थापित करके विधान का झण्डारोहण पूर्वक शुभारम्भ किया गया जिसमें मुख्य रूप से सौधर्म संजय जैन पापड़ीवाल, विजय जैन पापड़ीवाल संभाजीनगर औरंगाबाद निवासी 50 लोगों के साथ में इस महानुष्ठान को सम्पन्न कर रहे हैं। झण्डारोहण पापडीवाल परिवार के मुख्य कुमकुम बाई पन्नालाल पापड़ीवाल के कर कमलों से हुआ गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने इस अवसर पर कहा कि त्रिलोक के जिनालय की ये यात्रा है जिसमें ४५८ जिनालय हैं उन जिनालयों की प्रतिदिन महापूजा है एवं उसकी आकृति यहाँ पर बनाकर के आप सभी ध्वजा चढ़ाकर के आराधना करेंगे जिससे अनंत गुणा पुण्य का सम्पादन होगा सम्पूर्ण कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य श्री विजय कुमार जैन के कुशल निर्देशन में सम्पन्न किया जा रहा है जैन मन्दिर के पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी के नेतृत्व में एवं प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती माताजी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है आज इस क्रम में मंडप प्रतिष्ठा, इन्द्र प्रतिष्ठा, अंकुरारोपण, जाप्यनुष्ठान एवं सकलीकरण पूर्वक प्रारम्भिक विधि करके विधान का शुभारंभ किया गया शाम को भगवंतों की एवं पूज्य माताजी की मंगल आरती का सभी ने धर्म लाभ लिया इस क्रम में महिला मण्डल संभाजीनगर (महा.) के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई।

# मेडिकल कॉलेज अयोध्या में अब स्पाइन व ब्रेन के आपरेशन भी सम्भव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में न्यूरोसर्जरी सेवाओं को मजबूती मिली है। अब मेडिकल कालेज अयोध्या में स्पाइन व ब्रेन के आपरेशन भी सम्भव हो सकेंगे। न्यूरो सर्जन डॉ. विकास कुमार द्विवेदी ने मेडिकल कॉलेज ज्वाइन कर लिया है। उन्होंने ओपीडी शुरू कर दी है और अब हर गुरुवार को मरीजों की जांच करेंगे। साथ ही वे जटिल न्यूरो सर्जरी भी करेंगे।डॉ. द्विवेदी ने असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर ज्वाइन किया है। वे केजीएमयू लखनऊ में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।उनके आने से मेडिकल कॉलेज में न्यूरो सर्जन की संख्या अब दो हो गई है। इससे पहले डॉ. विक्रांत यादव ही इस विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इस विकास से अयोध्या और आसपास के जिलों के मरीजों को ब्रेन, स्पाइन और नर्व संबंधी गंभीर बीमारियों का बेहतर इलाज अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगा। मरीजों को लखनऊ या अन्य बड़े शहरों की यात्रा करने की जरूरत कम पड़ेगी। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने डॉ. द्विवेदी का स्वागत किया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।